दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची

सेल टाउनशिप, राँची

वार्षिक परीक्षा (2016-17)

कक्षा– सातवीं | विषय–हिन्दी

समय–3 घंटे | पूर्णांक–90

इस प्रष्न के तीन खंड हैं। प्रत्येक खंड से सभी प्रष्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर दीजिएः–

बहुत प्राचीन कथा है–सगर अयोध्या के सूर्यवंषी राजा थे, बड़े धर्मात्मा और उदार। प्रजा के सुख–चैन का सदा ध्यान रखते थे। उनके साठ हजार पुत्र थे।

एक बार राजा सगर ने सौ अष्वमेघ यज्ञ पूर्ण करने की प्रतिज्ञा की। निन्यानबे यज्ञ पूर्ण हो गए। यज्ञ का घोड़ा छोड़ा गया। इन्द्र ने सोचा– यदि यह यज्ञ भी पूरा हो गया तो सगर इन्द्र बन जाएँगे। बस इन्द्र ने घोड़ा चुरा लिया। सगर के पुत्र घोड़े को धरती पर खोजकर हार गए। खोज करते–करते पाताल में पहुँचे। वहाँ उन्हें एक सुंदर–सा आश्रम दिखाई दिया जो कपिल मुनि का आश्रम था। आश्रम में एक वृक्ष से अष्वमेघ का घोड़ा बँधा था। सगर के पुत्रों को संदेह हुआ कि घोड़ा मुनि ने चुराया है। उन्होंने कपिल मुनि से पूछा। कपिल मुनि सहज भाव से बोले– '' यह घोड़ा यहाँ कौन बाँध गया है, मैं नहीं जानता।'' सगर के पुत्र इस उत्तर से आग बबूला हो उठे। कपिल मुनि पर तरह–तरह के आरोप लगने लगे। इस पर कपिल मुनि बहुत क्रोधित हुए। सगर के पुत्रों को षाप देते हुए बोले–'' तुमने अग्नि के अवतार पर चोरी का लांछन लगाया है। तुम सब भस्म हो जाओ।'' यह कहना था कि एक ज्वाला उठी और राजा सगर के सभी पुत्र जलकर भस्म हो गए।

कई पीढ़ियों के बाद उसी वंष में भगीरथ हुए। उन्होंने अपने पुरखों की दुर्दषा की कहानी सुनी। प्रण किया कि स्वर्ग से गंगा को लाएँगे। उसके जल से पुरखों का उद्धार करेंगे। स्वर्ग की नदी की खोज भगीरथ ने की परंतु उसे धरती पर लाना संभव नहीं था। फिर भी अपने कठोर परिश्रम और सूझबूझ से गंगा को पहाड़ों से मैदान में लाने में सफल हुए। अतः इसे भागीरथी भी कहते हैं। भगीरथ को ऐसे बलवान की आवष्यकता थी जो गिरती हुई गंगा का वेग सम्भाल सके। भगीरथ ने सोचा –ऐसी सामर्थ्य भगवान षंकर के अतिरिक्त किसी में नहीं है।

(क) राजा सगर कौन थे? **[1]**

(ख) इन्द्र ने घोड़ा क्यों चुराया और उसका क्या किया? **[1]**

(ग) कपिल मुनि ने किसे और क्या षाप दिया? **[1]**

(घ) गंगा कहाँ से आयी थी और उसका वेग कौन संभाल सका? **[1]**

(ङ) भगीरथ किसका उद्धार करना चाहते थे? **[1]**

2. निम्नलिखित काव्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिएः

सुनकर वचन यों पार्थ ने स्वीकार माधव को किया,
कुर नाथ ने नारायणी सुविषाल सेना को लिया।
तब पार्थ से हँस कर वचन कहने लगे भगवान यों
'स्वीकृत मुझे तुमने किया है, त्याग सैन्य महान् क्यों?
गंभीर होकर पार्थ ने उनको यही उत्तर दिया,
'करना मुझे जो चाहिए था, है वही मैंने किया।
सेना रहे मुझको जगत भी तुम बिना स्वीकृत नहीं।'
श्री कृष्ण रहते हैं जहाँ, सब सिद्धियाँ रहती वहाँ।

(क) वचन सुनकर किसने और किसे स्वीकार किया? **[1]**

(ख) नारायणी विषाल सेना को किसने लिया? **[1]**

(ग) भगवान श्री कृष्ण ने पार्थ से क्या कहा? **[1]**

(घ) 'सेना रहे, मुझको जगत भी तुम बिना स्वीकृत नहीं।' —ऐसा किसने कहा है? **[1]**

(ङ) 'श्री कृष्ण रहते हैं' जहाँ, सब सिद्धियाँ रहती वहीं।'—पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **[1]**

3. (क) निम्नलिखित षब्दों के विलोम षब्द लिखिएः **[1X12=12]**
आयात, जड़।

(ख) नीचे लिखे षब्दों के अर्थ लिखिएः
कुल –कूल

(ग) नीचे दिए गए षब्दों में से किसी एक षब्द का दो पर्यायवाची षब्द लिखिएः
रात, सूरज

(घ) अधोलिखित वाक्यांषों के लिए एक षब्द लिखिएः
जो थोड़ा जानता हो, षिव का भक्त।

(ङ) निम्नलिखित एकार्थक षब्दों के अर्थ लिखिएः भ्रांति, संदेह।

(च) निम्नलिखित षब्दों में से प्रयुक्त प्रत्यय अलग कीजिए।
टिकाउ , मेला।

(छ) करण एवं अपादान कारक में एक–एक अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ज) **(i)** षब्दों को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?

(ii) अधोलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिएः
क्या तुम बाजार जाओगे

(झ) निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिएः
आ बैल मुझे मार , एक पंथ दो काज

(ञ) निम्नलिखित क्रिया विषेषणों का प्रयोग करके वाक्य बनाइएः
बाहर , प्रतिदिन।

(ट) संदिग्ध वर्तमान काल और संभाव्य भविष्यत् काल का एक–एक उदाहरण लिखिए।

(ठ) संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. (क) भाषा और बोली में अंतर स्पष्ट कीजिए। **[2X3=6]**

(ख) नीचे लिखे षब्दों में से संयुक्त व्यंजन तथा द्वित्व व्यंजन वाले षब्दों को अलग कर लिखें:

चम्मच , क्षत्रिय, ज्ञाता , पट्टी

(ग) कर्म के आधार पर क्रिया के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

खण्ड – 'ख'

5. अधोलिखित प्रष्नों के उत्तर एक–दो वाक्य में लिखिए: **[1X7=7]**

(क) अक्षरों का ताज किसे कहा गया है?

(ख) पिता ने वंषीधर को क्या सीख दी ?

(ग) तीसरे राष्ट्रपति के पास किसे बैठने पर आत्मीयता का अनुभव होता था और क्यों?

(घ) उड़ीसा को अन्य किन–किन नामों से जाना जाता है?

(ङ) चप्पल ठीक कराने के लिए लेखक को दूर क्यों जाना पड़ा?

(च) भेड़िये की ज़िंदगी में पहला अवसर क्या था?

(छ) जाकिर – साहब ने राष्ट्रपति का पद कब संभाला था?

6. (क) वे कौन–से षब्द थे जिन्हें सुनकर सैनिकों ने चुटकियों में मिश्र को जीत लिया? **[2X3=6]**

(ख) माता घोष के भीतर ही खेलने को क्यों कह रही हैं?

(ग) मासिक वेतन को 'पूर्णमासी का चाँद' क्यों कहा गया है?

7. आषय स्पष्ट कीजिए: **[3]**

'' दुनिया सोती थी पर दुनिया की जीभ जागती थी।''

8. नीचे लिखे मूल्यपरक प्रष्नों के उत्तर लिखिए: **[2X2=4]**

(क) आप समय , षक्ति और धन में से क्या अधिक खर्च करते हैं और क्यों?

(ख) 'अत्याचारी का जी–जान से सामना करना चाहिए।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? यदि हाँ, तो अपना पक्ष प्रस्तुत कीजिए।

9. अधोलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए। **[2½X2=5]**

(क) कनक कटोरा प्रातही, दधि, घृत सु मिठाई
खेलत खात गिरावहीं झगरत दोउ भाई
अरस परस चुटिया गहै, बरजति है माई
महा ढीठ मानै नहीं कछु लहुर बड़ाई।

(ख) विभिन्न धर्म पंथ हैं
परंतु एक ध्येय के,
विभिन्न कर्मसूत्र हैं
परंतु एक श्रेय के
मनुष्यता महान धर्म है, महान कर्म है
हमें इसी पुनीत ज्योति का वितान चाहिए।

10. अधोलिखित गद्यांष को ध्यान–पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिए। **[1X3=3]**

उड़ीसा के परंपरागत नृत्य 'ओड़िसी' को अपने सौन्दर्य और सुषमा के कारण एक महत्वपूर्ण भारतीय षास्त्रीय नृत्य के रूप में मान्यता मिली है। उड़ीसा के लोक नृत्यों में 'छऊ नृत्य' को अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति मिली है। नाग नृत्य, घुमरा नृत्य के अतिरिक्त लोक नाट्य, घुमरा नृत्य के अतिरिक्त लोक नाट्य में पाला, पटुआ, दास काठिया, मुगल तमाषा, कर्मा तथा कठपुतली के खेल भी प्रचलित हैं।

(क) उड़ीसा के परंपरागत नृत्य का नाम लिखिए।
(ख) उड़ीसा के किस लोक नृत्य को अन्तर्राष्ट्रिय ख्याति मिली है?
(ग) घुमरा और कर्मा क्या है? यह किस प्रांत से संबंधित है?

11. नीचे लिखे प्रष्नों के उत्तर चार–पाँच वाक्यों में लिखिएः **[3X4=12]**

(क) जाकिर साहब ने सबसे मूल्यवान पूँजी किसे कहा है? और क्यों?
(ख) षिष्यों को दीये कहा गया है– इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर लिखिए।
(ग) पर्वत षिखर से लेकर समुद्र तक घुँघरू की यात्रा का वर्णन अपने षब्दों में लिखिए।
(घ) '' छमका रही है पावस रानी बूँदा–बूँदियों की अपनी पायल'' – पंक्ति के आधार पर पावस के प्रिय रूप का वर्णन अपने षब्दों में कीजिए।

12. नीचे लिखे षब्दों में से सही षब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: **[½X4=2]**

सुदर्षन, विदुर, मय, बाणासुर

(क) श्री कृष्ण के आदेष से ..... ने सभा भवन का निर्माण किया।

(ख) धृतराष्ट्र को .... ने समझाया कि जुए का खेल विनाषकारी होता है।

(ग) जरासंध के पुत्र का नाम .... था।

(घ) श्री कृष्ण ने .... से षिषुपाल का सिर काट दिया।

13. सही कथन के सामने [√] का तथा गलत के सामने [X] का चिह्न लगाइए: **[½X4=2]**

(क) श्रीकृष्ण ने सभी यादवों को प्रभास तीर्थ चलने के लिए कहा।

(ख) द्वारका नगरी समुद्र में समा गई।

(ग) श्रीकृष्ण के तलवे में एक मणि थी।

(घ) युधिष्ठिर को नरक में एक पल भी नहीं रहना पड़ा।

14. अधोलिखित प्रष्नों के उत्तर लिखिए: **[2X4=8]**

(क) युद्धभूमि में पहँचकर अर्जुन ने युद्ध करने से मना क्यों कर दिया?

(ख) सूर्य के उत्तरायण आने का समय जानकर युधिष्ठिर ने क्या किया?

(ग) श्रीकृष्ण की मृत्यु कैसे हुई?

(घ) युधिष्ठिर के मन में वैराग्य क्यों उत्पन्न हो गया?

खण्ड – 'ग'

15. अधोलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 120 षब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए। **[1X5=5]**

(क) समय का सदुपयोग

(ख) मधुरवचन

(ग) तुलसीदास

16. (क) मित्र के जन्म दिवस पर बधाई पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

मासिक षुल्क माफ करने हेतु प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।